

अहमदाबाद प्लेन क्रैश दुखान्तिका : उदयपुर के चार लोगों की दर्दनाक मौत

शहर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के पुत्र शुभ मोदी व शगुन मोदी लंदन घूमने जा रहे थे, हादसे का शिकार हुये

उदयपुर, (का.सं.)। अहमदाबाद में हुई विभत्स विमान दुर्घटना में उदयपुर के चार लोग सवार थे, जिनमें उदयपुर शहर के मार्बल व्यापारी के बेटा-बेटी शामिल हैं जो लंदन घूमने जा रहे थे। वहीं लंदन में ही शैफ का काम करने वाले दो युवक सवार थे जो जिले के वल्लभनगर व मावली क्षेत्र के रहने

लंदन में ही शैफ का काम करने वाले दो युवक सवार थे जो जिले के वल्लभ नगर व मावली क्षेत्र के रहने वाले हैं, इनकी भी मौत हो गई

जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर ए-1-171 ने अहमदाबाद से गुरुवार दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गया। विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ।



अहमदाबाद विमान हादसे के बाद उदयपुर में प्रभावितों के घर पर जिला कलेक्टर पहुंचे।

विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। विमान में उदयपुर जिले के चार जने सवार थे, जिनमें शहर के सहेली नगर क्षेत्र निवासी मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के पुत्र शुभ मोदी व शगुन मोदी शामिल हैं। हादसे की खबर लगते ही संजीव व उनकी पत्नी श्वेता अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए जबकि दो अन्य में प्रकाशचंद व वरदीचंद शामिल हैं। वरदीचंद मेनारिया उदयपुर शहर से 47 किलोमीटर दूर वल्लभनगर क्षेत्र

के रूपड़ेडा का निवासी है। वरदीचंद की पत्नी और उनका बेटा दीपक उन्हें अहमदाबाद छोड़ने गए थे। अभी वे वहीं हैं। वरदीचंद एक माह पहले ही लंदन से आए थे। हादसे के समाचार के बाद वरदीचंद के भाई भगवान लाल भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। वहीं वरदीचंद के साथ ईटली के पास रोहिड़ा गांव के प्रकाश मेनारिया भी थे। दोनों ही लंदन में कुकिंग का काम करते थे और छुट्टियां बीताकर पुनः लंदन लौट रहे थे।

इधर, हादसे से प्रभावितों की जानकारी सामने आने पर जिला कलेक्टर नमित मेहता, एडीएम प्रशासन दीपेंद्रसिंह राठौड़ गुरुवार शाम सहेलीनगर स्थित संजीव मोदी के निवास पर पहुंचे। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुका था। निवास पर कुछ रिश्तेदार व पड़ोसी मौजूद थे। जिला कलेक्टर मेहता ने रिश्तेदारों से जानकारी ली तथा उन्हें ढांडस बंधाया। इसी प्रकार वल्लभनगर एसडीएम

सुरेंद्र पाटीदार सहित अन्य अधिकारी वरदीचंद मेनारिया के निवास पर तथा मावली तहसीलदार-थानाधिकारी सहित अन्य रोहिड़ा में प्रकाशचंद मेनारिया के निवास पर पहुंचे। उधर, मुख्यमंत्री कार्यालय से भी जिला प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली गई।

बांसवाड़ा की डॉ. कोनी व्यास, पति और बच्चों की भी मौत

बांसवाड़ा/जयपुर। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में बांसवाड़ा की डॉ. कोनी व्यास, उनके पति डॉक्टर प्रदीप जोशी, बच्चे प्रद्युत जोशी, मिराया जोशी और नकुल जोशी की भी मौत हो गई। उदयपुर के पेसिफिक हॉस्पिटल उमरड़ा के प्रबंधन ने बताया कि डॉ. कोनी व्यास ने एक महीने पहले यहां से जांब छोड़ दी थी। वे उनके पति के साथ ही रहने के लिए लंदन जा रही थी, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दिया।

सफाई कर्मचारी की ऑन ड्यूटी तबियत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

जोधपुर, (कांस) । जोधपुर में नगर निगम के सफाई कर्मचारी की ऑन ड्यूटी तबियत बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज गर्मी की वजह से ड्यूटी के दौरान सफाई कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई इसकी वजह से उसकी मौत हो गई।

नगर निगम जोधपुर के कर्मचारी युनियन नेता राकेश गुजराती ने बताया कि सफाई कर्मचारी दीपक तेजी वार्ड संख्या 22 में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। मृतक दीपक अपनी मां की जगह अनुकंपा नियुक्ति पर लगा

- बताया जा रहा है कि तेज गर्मी की वजह से ड्यूटी के दौरान सफाई कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई थी
- भीषण गर्मी को मध्यनजर रखते हुए सफाई कर्मियों के लिए समय परिवर्तन की मांग

था। आज दीपक स्वस्थ हालत में सुबह ड्यूटी पर आया था। अचानक कार्य करते हुए उसकी तबीयत बिगड़ गई। इस पर शुरुआत में सेटेलाइट हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से तुरंत मथुरादास माधुर हॉस्पिटल लेकर आए। यहां इलाज के दौरान दीपक की मौत हो गई। उन्होंने मांग करते हुए कहा निगम आयुक्त इस भीषण गर्मी को मध्यनजर

रखते हुए सफाई कर्मचारियों के लिए समय परिवर्तन करें जिससे सफाई कर्मचारियों को राहत मिले। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए सफाई कर्मचारियों की शिफ्ट के समय परिवर्तन को लेकर आयुक्त को बताया गया था, लेकिन उसके बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया गया।

आरपीएससी ने विचारित सूची जारी की

अजमेर, (कांस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भू-वैज्ञानिक (खान एवं भू-विज्ञान विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत विचारित सूची जारी की गई है। सूची में 90 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से सम्मिलित किया गया है। इस परीक्षा का आयोजन 7 मई 2025 को किया गया था। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि यह सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के बाद आयोग द्वारा जारी की जाएगी। उक्त

परीक्षा की विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 20 से 26 जून 2025 (रात्रि 11.59) तक खोला जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन तथा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना भी सुनिश्चित करनी होगी।

यूआर साहू ने आरपीएससी चेयरमैन का पदभार संभाला



पूर्व डीजीपी यूआर साहू ने गुरुवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

अजमेर, (कांस)। राजस्थान पुलिस के पूर्व डीजीपी यूआर साहू ने गुरुवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उनके साथ अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश एसपी वंदिता राणा व एएसपी हिमांशु जांगिड़ मौजूद रहे। सचिव रामनिवास मेहता द्वारा उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाश चंद मोणा ने उन्हें कार्यभार सौंपा।

- ‘आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व चुनौतीपूर्ण है, परीक्षाओं व साक्षात्कारों का समयबद्ध आयोजन प्राथमिकता रहेगी’

कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवनिर्भुक्त अध्यक्ष यूआर साहू ने

पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व चुनौतीपूर्ण है। उनके द्वारा इसके निर्वहन का पूर्ण प्रयास किया जाएगा। परीक्षाओं व साक्षात्कारों का समयबद्ध आयोजन उनकी प्राथमिकता रहेगा, उन्होंने कहा कि आयोग की प्रक्रियाओं के संबंध में वर्तमान सदस्यों व अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आगामी कार्ययोजना निर्धारित की जाएगी।

अभ्यर्थियों को आवेदन विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर

अजमेर, (कांस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बायोकेमिस्ट (चिकित्सा शिक्षा ग्रुप-1 विभाग) भर्ती-2024 के अंतर्गत वॉछित योग्यता न होने पर भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर दिया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आवेदकों के पास अनिवार्य योग्यता नहीं होने के उपरांत भी उनके द्वारा आवेदन किया गया है। पूर्व में आयोग द्वारा उक्त पदों हेतु शैक्षणिक व वॉछित योग्यता न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को 5 से 9 जून तक आवेदन विथड्रॉ करने का अवसर दिया गया था। इस दौरान भी आवेदन विथड्रॉ नहीं करने वाले अपात्र अभ्यर्थियों को आगाह किया है कि वे अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 14 जून 2025 तक विथड्रॉ कर लेवें अन्यथा अभ्यर्थी को आयोग द्वारा भविष्य में ली जाने वाली समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 के अंतर्गत कार्यवाही भी की जायेगी।

परीक्षा का आयोजन 15 से

अजमेर, (कांस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा-2024 का आयोजन 15 से 18 मार्च 2026 तक किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि 5 अप्रैल 2024 को विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता (सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं कृषि अभियंत्रिकी) के 1014 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इस भर्ती के अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 28 सितंबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है।

तीन बाल श्रमिक मुक्त कराए

भीलवाड़ा, (निर्स)। बाल श्रम मुक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे उमंग 5 अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित मोणा के निर्देशानुसार मानव तस्करी विरोधी इकाई, श्रम विभाग, बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं नवाचार संस्थान ने इंड्रा मार्केट में स्थित अमित दी सेंटर से 2 बाल श्रमिक एवं सुनील स्टेशनर्स से 1 बाल श्रमिक को बाल श्रम से मुक्त कराया।

सदस्य विनोद राव के समक्ष प्रस्तुत किया गया, श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक आशीष यादव एवं शिव प्रसाद ने बच्चों के बयान लिए। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव के आदेशानुसार बच्चों के आश्रय की आवश्यकता होने से बच्चों को आश्रय हेतु एक्सेट शेल्टर होम में रखवाया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी शौकत अली, एएसआई ओमप्रकाश सेन, हेड कॉन्स्टेबल मुकेश पारीक एवं बाल

अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक धर्मराज प्रतिहार के निर्देशानुसार चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के परिyoजना समन्वयक हेमंत सिंह सिसोदिया, काउंसलर निर्मला पुरोहित एवं सुपरवाइजर राधेश्याम गुर्जर, आनंद कुमार सुनारिया एवं कैस वर्कर अरविंद वर्मा एवं नवाचार संस्थान के जिला प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर एवं रेड एवं रेस्क्यू ऑफिसर भगवत सिंह चारण ने कार्रवाई करते हुए तीन बाल श्रमिक को बाल श्रम से मुक्त कराया।

महाराजा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)
क्रमांक-डीपीएल/म/कृषी/सि/वि/निविदा/2025-26/(02)/(03)/6090 दिनांक-12.06.2025

निविदा सूचना - (02)/(03)/(2025-26)

माननीय कुलपति महोदय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि. उदयपुर की ओर से विश्वविद्यालय हेतु स्टेशनरी (अनुमानित लागत रु. 20 लाख), विज्ञापन प्रकाशन (अनुमानित लागत रु. 15 लाख) मुहुरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्तें एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निदेशक UBN No. ATU2526GRC00097, UBN No. ATU2526SL0B000098 (आयोजन एवं परिचय निदेशक)

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND
S.No./M.B.Nath/NIT/STORE/2025/ 7358 Date :- 10-06-2025

Notice Inviting Bid
Bids for different works Nit No. 18/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date: 21-06-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<http://eproc.rajasthan.gov.in>, <http://sppp.raj.nic.in>) of the state govt. UBN No.- DLB2526SLOB07475 TO 07474 Commissioner, Municipal Board Nathdwara Raj./Samwad/C/25/4120

सार्वजनिक अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड केकड़ी
क्रमांक-554-573 दिनांक-05/06/2025

Notice Inviting Bid No:- 04/2025-26
Bids For Rate Contract for Patch Repair work & Other Maintenance work on Various roads under PWD Nt Keki for the Year 2025-26 Procurement are Invited from interested bidders upto 6.00 PM of 16.06.2025 Other particulars of the id may be visited on the procurement portal (<http://eproc.rajasthan.gov.in>, <http://sppp.raj.nic.in>) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 195.12 Lacs. UBN No :- PWD 2526 WSR037326 (Bhim Singh Meena) Executive Engineer PWD Dn. Keki DIPRIC/7653/2025

झालावाड़, (निर्स)। झालावाड़ जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र के अरनिया पुलिया पर मारुति वैन और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि वैन में सवार नव प्रसूता की हालत गंभीर है तथा उसकी 12 दिन की पुत्री की मौत हो गई

बाइक सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ा, वैन में सवार नव प्रसूता की हालत गंभीर तथा उसकी 12 दिन की पुत्री की मौत हो गई

अकलेरा पुलिस के अनुसार बीरामचंद एवं कालूराम नामक दो युवक बाइक पर सवार होकर घाटोली गांव जा रहे थे, जिनकी बाइक अरनिया नदी की पुलिया पर सामने से आ रही

झालावाड़, (निर्स)। झालावाड़ जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र के अरनिया पुलिया पर मारुति वैन और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि वैन में सवार नव प्रसूता की हालत गंभीर है तथा उसकी 12 दिन की पुत्री की मौत हो गई

बाइक सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ा, वैन में सवार नव प्रसूता की हालत गंभीर तथा उसकी 12 दिन की पुत्री की मौत हो गई

अकलेरा पुलिस के अनुसार बीरामचंद एवं कालूराम नामक दो युवक बाइक पर सवार होकर घाटोली गांव जा रहे थे, जिनकी बाइक अरनिया नदी की पुलिया पर सामने से आ रही

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

श्रीगंगानगर, (निर्स)। जिले में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार 11वें दिन भी जारी रहा। जिले का अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक रहा। चिलचिलाती धूप और तपती हवाओं के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सुबह 11 बजे के बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे पर कपड़ा बांधकर

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगी हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजरने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मूंढे